Dictation 37.

Nirmala's letter to her old friend.

प्रिय शीतल,

सप्रेम नमस्ते। तुम्हारा 4 सितम्बर का □त्र मिला। तुम स□रिवार सकुशल होगी। तुम्हारे □त्र के ज़रिए दिल्ली की सारी ख़बरें मिली□ यह □ानकर अच्छा लगा कि रश्मी के सेहत की □ाँच कामयाब रही। इससे तुमलोगों की बहुत-सी चिन्ताएँ ख़त्म हो गई होंगी। कोई न कोई समस्या तो आदमी □र हमेशा आती है, □रन्तु किसी बड़ी समस्या के टल □ाने से कुछ शान्ती ज़रूर प्राप्त होती है।

इधर मैंने कुछ काम समाप्त किए हैं। कोई आठ ले□ क दोस्तों ने मेरे कुछ ले□ □ढ़े हैं। किसी किसी ने तो मेरी प्रशन्सा तक कर □ाली है! लगता है कि □ौष तक किताब छ□ □ाएगी। अफ़सोस, तुम्हें □ि र से मेरी एक किताब □ढ़नी □ड़ेगी। मेरी भे□ी हुई साड़ी □सन्द आई कि नही□ शायद तुम्हें कोई और रन्ग बेहतर लगे? अगर ऐसा है तो मुझे बता ज़रूर देना। मैं रा□ू के हाथों कोई दूसरी साड़ी भि□ वा दूँगी। इस मामले में □ ल्दबाज़ी करने की कोई आवश्यकता नही□ है। आख़िर रा□ू काम के सिलसिले में हर महीने दिल्ली □ाता है।

शेष कुशल है। प्रकाश की तबियत ठीक है, और मैं भी ठीक-ठाक हूँ। अनू□ को मेरी नमस्ते कहना। प्रकाश उसे अलग से ख़त लि□ रहा है। बच्चों को □ेर सारा प्यार। □त्र का उत्तर □ ल्दी देना।

तुम्हारी सहेली,
निर्मला।

***

Dear Sheetal,

(Affectionate greetings.) I have received your letter of September 4th. I hope you and your family are well. I have received all the news from Delhi through your letter. It was good to learn that Rashmi has had a successful health check-up. Many of your worries would have vanished on account of this. Some problem or other always manages to descend on a person, but one does get some peace when a ('some') big problem gets out of one's way.

[As for me,] I have finished some work. Some eight writer friends have read my pieces. Some have even come down to praising me! It seems that the book will have been published by *Pausha* (December-January). I am afraid you will have to read another book by me. Did you like the sari sent by me, or not? Perhaps you would prefer some other

color? If that is so, do please let me know. I will send a different (‘some other’) sari through Raju. There is no need to rush in this matter. After all, Raju goes to Delhi every month in connection with his work.

Everything else is fine. Prakash is well, and I am all right too. Say namaste to Anup for me. Prakash is writing to him separately. Lots of love to the children. Reply soon.

Your friend,
Nirmala.